क्विकर

भाजपा विधायक सोलंकी ने छोड़ी पार्टी

गांधीनगर, एजेन्सी, 19 नवम्बर - गुजरात में चुनावी गहमागहमी के बीच सत्तारू ढ़ भाजपा के विधायक तथा संसदीय सचिव जेठा सोलंकी ने आज विधायक पद और पार्टी दोनों से इस्तीफा दे दिया. गिर सोमनाथ जिले के कोडीनार विधानसभा क्षेत्र से विधायक और कोली समुदाय के नेता सोलंकी ने पहले विधानसभा अध्यक्ष रमनलाल वोरा को विधायक पद से तथा बाद में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय श्रीकमल में प्रदेश अध्यक्ष जीतू वाघाणी को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा सौंप दिया.

आईएस के कब्जे से इराक का रावा मुक्त

बगदाद, 19 नवंबर, एजेंसी-इराकी सुरक्षा बलों ने देश में आईएस के कब्जे वाले रावा शहर पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया है. रावा इराक में आईएस के कब्जे वाला आखिरी शहर था. रावा पर इराकी सुरक्षा बलों ने उस वक्त नियंत्रण स्थापित किया, जब आईएस के जेहादी सीरिया में संगठन के कब्जे वाले आलबू कमाल में हमले से घिरे है. अमेरिका के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना ने बुधवार को कहा कि आईएस इराक और सीरिया में अपनी तथाकथित खिलाफत का 95 फीसदी हिस्सा खो चुका है. वर्ष 2014 में आईएस ने अपनी खिलाफत का ऐलान किया था.

टीवी शो के बाद बसपा नेता की पिटाई

अलीगढ़, 19 नवंबर, एजेंसी-एक न्यूज चैनल में बहस के दौरान भाजपा व बसपा कार्यकर्ता आपस में ही भिड़ गए. बसपाइयों का आरोप है कि शहर में विकास कार्यों की अनदेखी का मुद्दा उठाने पर उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया. बसपा प्रत्याशी मोहम्मद फुरकान को भी कार से खींचते हुए कपड़े फाडने.की कोशिश की गई. मारपीट में बसपा नेता नौशाद घायल हो गए, जिन्हें वहां मौजूद सपा महानगर अध्यक्ष अज्जू इशहाक ने मेडिकल कॉलेज तक पहुंचाया. घायल बसपा नेता ने भाजपा समर्थकों के खिलाफ तहरीर दी है.

युवाओं के लिए शादी से ज्यादा जरूरी करियर

दिल्ली, 19 नवम्बर, एजेंसी- शादी डॉट काम द्वारा किए गए सर्वे में पता चला है कि युवाओं के लिए शादी से ज्यादा अहम उनका करियर है. इसके बाद उनकी प्राथमिकता में घर खरीदना, अध्ययन के लिए विदेश जाना और विश्व की सैर शामिल है. सर्वे में 20 से 35 साल की उम्र के 7398 महिला व पुरुषों को शामिल किया गया.59 फीसद ने माना कि शादी की बात वह खुद शुरू करना चाहते हैं. इसके बाद वह परंपरागत तरीके से विवाह करना चाहते हैं. 19 फीसद का मानना है कि वह परिवार की इच्छा से जीवन साथी चुनने को तरजीह देते हैं. सर्वे में 58 फीसद पुरुषों व 42 फीसद महिलाओं को शामिल किया गया.

रोहिंग्या मुस्लिमों के मुद्दे पर एंटनी ने केंद्र की आलोचना की

दिल्ली, 19 नवम्बर, एजेंसी- रोहिंग्या मुस्लिमों को शरण नहीं देने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ए.के. एंटनी ने नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की. पूर्व रक्षा मंत्री दिल्ली में केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे. इस अवसर उन्होंने शरणार्थियों की रक्षा पर जोर देने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उदाहरण भी पेश किया. कहा- मोदी के विपरीत इंदिरा गांधी शरणार्थियों के साथ मजबूती से खड़ी थीं. एंटनी ने केंद्र सरकार पर मदद और सुरक्षा चाहने वाले 40,000 रोहिंग्या मुस्लिमों को वापस करने का आरोप लगाया.

पौधे अनुमान से 30 फीसद अधिक करते कार्बन उत्सर्जन

वाशिंगटन, एजेंसी, 19 नवंबर-पेड़ हमारे अनुमान से अधिक मात्र में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन करते हैं. अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पाया कि पेड़पौधे पुराने आंकड़ों से लगभग 30 फीसद अधिक कार्बन का उत्सर्जन करते हैं. वैज्ञानिकों के अनुसार वैश्विक तापमान में जैसे-जैसे वृद्धि होगी,

सरकारी वेबसाइटों ने लीक की आधार की जानकारियां

आरटीआई में बड़ा खुलासा

दिल्ली, एजेंसी, 19 नवंबर- भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की 200 से अधिक वेबसाइटों ने कुछ आधार लाभार्थियों के नाम और पते जैसी जानकारियां सार्वजनिक कर दीं. आधार जारी करने वाली संस्था ने एक आरटीआई के जवाब में कहा कि उसने इस उल्लंघन पर संज्ञान लिया है और इन वेबसाइटों से जानकारियां हटवा दी हैं.

यूआईडीएआई ने कहा कि हमारी ओर से आधार के ब्यौरे को कभी सार्वजनिक नहीं किया गया. संस्था ने कहा कि यह पाया गया है कि शैक्षिक संस्थानों समेत केंद्र सरकार, राज्य सरकार के विभागों की तकरीबन 210 वेबसाइटों पर लाभार्थियों के नाम, पते, अन्य जानकारियां और आधार संख्याओं को आम जनता की सूचना के लिए सार्वजनिक कर दिया गया. उसने एक आरटीआई अर्जी के जवाब में कहा कि यूआईडीएआई ने इस पर ध्यान दिया है और इन वेबसाइटों से आधार का ब्यौरा हटा दिया है. यूआईडीएआई 12 अंकों की विशिष्ट पहचान संख्या जारी करता है जो देश में कहीं भी पहचान और घर के पते का सबूत होती है. गौरतलब है कि केंद्र सरकार विभिन्न सामाजिक सेवा योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आधार को अनिवार्य बनाने की प्रक्रिया में है. आरटीआई के जवाब में कहा गया है, यूआईडीएआई का बहुत व्यवस्थित तंत्र है और वह उच्च स्तरीय डेटा सुरक्षा बनाए रखने के लिए लगातार अपने तंत्र को उन्नत बना रहा है. इसमें कहा गया है कि आधार पारिस्थितिकी तंत्र को इस तरह से बनाया गया कि इसकी डेटा सुरक्षा और निजता सुनिश्चित की जा सके जो इस तंत्र का अहम हिस्सा है.

6,646 पुरुषों ने कहा | हमें पत्नियों से बचाओ

लखनऊ, एजेंसी, 19 नवंबर-आम तौर पर यह माना जाता है कि पुरुष ही महिलाओं के साथ हिंसा करते हैं. हिंसा का शिकार महिलाएं पुलिस और प्रशासन के पास उनकी शिकायत लेकर पहुंचती हैं. कई बार पुलिस से मदद के लिए महिलाएं 100 नंबर पर फोन भी करती हैं, लेकिन यह मामला बिल्कुल अलग है. लखनऊ में यूपी 100 नंबर पर 6,646 पुरुषों ने फोन करके अपनी पत्नियों की हिंसा से उन्हें बचाने के लिए मदद मांगी.पिछले एक साल में 6, 646 पुरुषों ने इस नंबर पर फोन करके कहा कि जितनी जल्दी हो सके उनकी हिंसक पत्नियों से उन्हें बचाएं. यूपी 100 को शुरू हुए अभी एक साल हुआ है. अधिकारियों ने पिछले एक साल के आंक्के एकत्र करके उनका विश्लेषण किया. उन्होंने बताया कि एक साल में 100 नंबर पर कुल 43 लाख शिकायतें आईं. इनमें से घरेलू हिंसा की 7 लाख शिकायतें रहीं.एडीजी यूपी 100 आदित्य मिश्रा ने बताया कि इन आंक्कों को पांच जिलों के एसपी से शेयर किया जाएगा. इस दौरान एक दिलचस्प बात यह भी सामने आई कि शिकायतों में 6,500 शिकायतें पुरुषों की रहीं, जिन्होंने कहा कि उन्हें उनकी पत्नियों ने पीटा.हालांकि 100 नंबर पर फोन करके पतियों की हिंसा से बचाने की मदद मांगने वाली महिलाओं की संख्या ज्यादा है. पिछले एक साल में 1.53 लाख महिलाएं ने 100 नंबर पर फोन करके पुलिस से मदद मांगी. अधिकारियों की मानें तो हर रोज लगभग 419 फोन 100 नंबर पर महिलाओं के आते हैं.इन आंक्कों के विश्लेषण से आश्चर्यजनक बात सामने आई की शहरों में ग्रामीण इलाकों की अपेक्षा ज्यादा ज्यादा घरेलू हिंसा की शिकायतें आईं. सबसे ज्यादा घरेलू हिंसा की शिकायतें लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर, इलाहाबाद और आगरा से मिलीं.

नई दिल्ली : पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की 100वीं जयंति पर श्रध्दांजलि अर्पित करते पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह.

आउटसोर्सिंग आउट कर राहुल ने दी संजीवनी

गुजरात में इस बार दिख रहा है कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश

22 साल अपना पूरा होने की पार्टी में जगी है उम्मीद

फ्रंटल संगठन भी हुए सक्रिय

राहुल की नवर्सजन यात्रा के बाद अब कांग्रेस का जोर 'डोर टू डोर' अभियान पर है. इस सबके बीच कांग्रेस के चारों फ्रंटल संगठन, महिला विंग, यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई और सेवा दल अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं. फ्रंटल संगठनों की इस सक्रियता से कांग्रेस पार्टी अब राज्य में बदली-बदली नजर आ रही है.

अहमदाबाद, 19 नवंबर, एजेंसी-गुजरात विधानसभा चुनाव में इस बार राहुल गांधी ने राज्य के चारों अहम हिस्सों पर जबरदस्त तरीके से चुनाव अभियान को अंजाम दिया है. राहुल के इस अभियान ने पार्टी में न सिर्फ नई जान फूंक दी है, बल्कि दो माह पहले जीत को लेकर निश्चिंत दिख रही भाजपा के रणनीतिकारों को भी पसीना ला दिया है. राजनीति के जानकारों का मानना है कि अब गुजरात में मुकाबला बराबरी का है और चुनावी ऊंट किस करवट बैठेगा यह तो 19 दिसंबर का आने वाले चुनाव परिणाम ही तय करेंगे. राज्य में इस बदलाव के लिए राहुल गांधी की आउटसोर्सिंग को प्रचार की कमान नहीं दिए जाने की रणनिति को भी अहम माना जा रहा है. पिछली बार की तरह किसी बाहरी के हस्तक्षेप नहीं करने की वजह से जमीन से जुड़े कार्यकर्ता पूरी मेहनत के साथ कांग्रेस उपाध्यक्ष के साथ सियासी जंग में भाजपा के रणबांकुरां से मुकाबला कर रहे हैं. और कार्यकर्ताओं में जोश का संचार हुआ बल्कि उन्हें ये भी उम्मीद बंधी कि अगर जी तोड़ मेहनत की जाए तो वो भी मुमकिन हो सकता है. जो, बीते 22 साल से गुजरात में नहीं हुआ. यानी बीजेपी को पटखनी दे कांग्रेस की गुजरात की सत्ता में वापसी लेकिन क्या ऐसा वाकई हो पाएगा? यहां बता दें कि राहुल ने नवसर्जन यात्रा से प्रचार की जो जमीन तैयार की अब कांग्रेस उस एडवांटेज को हाथ से जाने नहीं देना चाहती. राहुल ने गुजरात में लगभग 2500 किलोमीटर की दूरी तय कर लोगों से संपर्क साधा. अब जरा याद कीजिए, इस साल के शुरू में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की, उस चुनाव में राहुल ने किसान यात्रा निकाली थी इसमें 'खाट सभाओं' का आयोजन किया गया था, लेकिन वो सारा बंदोबस्त आउटसोर्सिंग के जरिए प्रशांत किशोर से कराया था. वहीं, अब गुजरात चुनाव में पार्टी किसी आउटसाइडर की जगह खुद के आंतरिक संसाधनों पर ही भरोसा कर रही है. सारी रणनीति किसी भी प्राइवेट कंपनी की मद्द लिए बिना जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं की सलाह मशविरा से बनाई जा रही है.

राहुल गांधी

छवि तोड़ने में भी रहे सफल

यही नहीं ढाबों में जाकर राहुल ने गुजराती खाना भी बड़े चाव से खाया, और कुछ हुआ हो या न हुआ हो, नवसर्जन यात्रा से गुजरात के लोगों से सीधा संपर्क बनाने में जरूर सफल हुए. कुछ हद तक वो अपनी उस छवि को भी तोड़ने में सफल हुए जो सोशल मीडिया पर विरोधियों ने उनको लेकर गढ़ रखी थी. कांग्रेस के महिला विंग की अध्यक्ष सुष्मिता देव का कहना है कि इस सफल यात्रा ने गुजरात के लोगों से असली राहुल गांधी की पहचान कराई है यही बात है जो बीजेपी को हैरान -परेशान कर रही है.

प्रियंका और मानुषी में एक चीज है कॉमन

दोनों के माता-पिता डॉक्टर

दिल्ली, एजेन्सी, 19 नवम्बर- मानुषी छिल्लर ने भारत का मिस वर्ल्ड में 17 साल लंबा इंतजार खत्म कर दिया. भारत की मिस इंडिया मानुषी छिल्लर को मिस वर्ल्ड 2017 घोषित किया गया है. इससे पहले आखिरी बार प्रियंका चोपड़ा ने साल 2000 में इस खिताब को अपने नाम किया था.प्रियंका चोपड़ा और मानुषी छिल्लर अब दोनों ही मिस वर्ल्ड हैं, मगर इसके अलावा एक और चीज है जो दोनों में कॉमन है. वह है कि दोनों डॉक्टरों के परिवार से ही आती हैं. प्रियंका चोपड़ा के माता-पिता भी आर्मी में डॉक्टर थे और मानुषी के माता-पिता भी डॉक्टर हैं. मानुषी खुद मेडिकल स्टूडेंट हैं. मानुषी का परिवार हरियाणा के सोनीपत में रहता है. इस प्रतियोगिता में दूसरे नंबर पर मिस मेक्सिको रहीं जबकि तीसरे नंबर पर मिस इंग्लैंड रहीं.मिस इंडिया मानुषी छिल्लर से फाइनल राउंड में जूरी ने सवाल पूछा था कि किस प्रफेशन में सबसे ज्यादा सैलरी मिलनी चाहिए और क्यों? इसके जवाब में मानुषी ने कहा-मां को सबसे ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए.

प्रियंका चोपड़ा

चंडीगढ़ में छात्रा के साथ ऑटो में गैंगरेप

चंडीगढ़-चंडीगढ़ में एक बार फिर एक शर्मसार करने वाली वारदात हुई है. शुक्रवार रात देहरादून की रहने वाली एक लड़की के साथ एक ऑटो में गैंगरेप होने का मामला सामने आया है. बताया जा रहा है कि इस वारदात के बाद आरोपी युवकों ने युवती को घटनास्थल पर ही छोड़ दिया और मौके से फरार हो गए. जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने देर रात शहर के कई इलाकों में नाकेबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू की. वहीं, पीड़ित लडकी को शहर से सेक्टर 16 के एक अस्पताल में दाखिल किया गया.

गुजरात में हैं विश्व की सबसे उम्रदराज वोटर

नाम है अजिबेन सीदाभाई चंद्रवाडिया, उम्र 126 साल

गांधीनगर, एजेन्सी, 19 नवम्बर - गुजरात में जल्द विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और इस बार न केवल देश बल्कि विश्व की सबसे उम्रदराज मतदाता अजिबेन सीदाभाई चंद्रवाडिया भी वोट डालने को उत्साहित हैं. इनकी उम्र 126 साल है.

अजिबेन सीदाभाई चंद्रवाडिया गुजरात के राजकोट स्थित उपलेटा की रहने वाली है. एक जनवरी 2007 के मुताबिक इनके मतदाता पहचान पत्र में इनकी उम्र 116 बताई गई है.

जिसके मुताबिक उनकी वर्तमान उम्र 126 साल है, इससे अजिबेन केवल देश ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की सबसे उम्रदराज मतदाता हैं.

126 साल की होने के बाद भी अजी बेन चलकर वोट देने जाती हैं और अपने सारे काम करती हैं. इनके परिवार वालों के मुताबिक, आज तक उन्होंने अस्पताल का मुंह नहीं देखा. बेटोंबेटियों, पोतोंपोतियों से भरे 65 सदस्यों के बीच रहने वाली अजीबेन पिछले विधानसभा चुनाव में भी वोट डालने गयी थी और इस बार भी पूरा परिवार इन्हें लेकर उत्साहित है.

बता दें कि इसके पहले गिनीज बुक में जापान के नबी ताजिमा को सबसे उम्रदराज बताया गया है, उनकी उम्र 117 साल है. राजकोट जिले में 372 शतायु (100 साल की उम्र) मतदाता हैं, इनमें से अजी बेन सबसे बड़ी हैं. पूरे राजकोट की अजी बेन सबसे उम्रदराज महिला हैं.

मेरठ में सीएम योगी को दिखाए गए काले झंडे

योगी आदित्यनाथ

मेरठ, एजेंसी, 19 नवंबर- सीएम योगी आदित्यनाथ की मेरठ रैली में हंगामा हो गया. सुमित एनकाउंटर की जांच की मांग को लेकर कुछ लोगों ने काले झंडे दिखाने की कोशिश की. इससे बीजेपी कार्यकर्ता भड़क गए और काले झंडे दिखाने वालों पर हमला बोल दिया. बाद में पुलिस ने इन युवकों को बीजेपी कार्यकर्ताओं से बचाया. बताया गया है कि मेरठ में जिस समय सीएम योगी मंच पर थे गांव जमालपुर के प्रधान अपने 30-40 समर्थकों के साथ वहां पहुंचे और काले झंडे दिखाने की कोशिश की. प्रधान का कहना है कि बीजेपी वर्करों ने उन्हें पीटा.

नशेड़ी युवक ने सांप के मुंह में डाल दी उंगली

हुई मौत

सुलतानपुर, एजेन्सी, 19 नवम्बर - उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया. दरअसल, एक युवक ने नशे की हालत में सांप के मुंह में उंगली डाल दी. इस दौरान युवक को सांप ने डस लिया. युवक के परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. लोगों के मुताबिक युवक को सांपों से खेलने का शौक था. गुरुवार की शाम कूरेभार थाना क्षेत्र के दौलत का पुरवा रतापुर गांव निवासी राम मिलन का 30 वर्षीय पुत्र माता प्रसाद शराब पीकर घर आया. इस दौरान उसने गांव से निकले एक सांप को पकड़ लिया. काफी देर तक सांप के साथ खिलवाड़ करते हुए उसने सांप के मुंह में उंगली डाल दी, जिसकी वजह से सांप ने उसे डस लिया. कुछ देर बाद युवक की तबीयत खराब होने लगी. पहले परिजनों ने झाडफूंक कराई और ज्यादा तबीयत बिगडने. पर जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया. हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने युवक को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रिफर कर दिया. इस दौरान युवक की मौत हो गई. परिजनों के मुताबिक शराब के नशे में युवक अक्सर सांपों के साथ खेलता था और धीरे-धीरे यह उसका शौक बन गया.

सरकार की शरण में सबकी दुकान चल रही है

शबाना आजमी

दिल्ली- संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावती की रिलीज को लेकर लगातार विरोध जा रही है. इस विरोध पर फिल्म इंडस्ट्री के सितारे भी लगातार अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं और भंसाली का समर्थन कर रहे हैं. सलमान खान जैसी कई हस्तियों के बाद अब उनके समर्थन में अभिनेत्री शबाना आजमी भी उतर गई हैं. शबाना आजमी ने सोशल मीडिया पर कई ट्विटस के जरिए सरकार को निशाने पर लिया है और साथ ही सेंसर बोर्ड से भी अपनी नाराजगी जाहिर की है. उन्होंने ट्विटर पर लिखा है, सीबीएफसी ने पद्मावती का आवेदन वापस लौटा दिया है क्योंकि फॉर्मेलिटीज पूरी नहीं थीं! सच में? या फिर चुनावी फायदे के लिए आग में घी डालने का काम किया जा रहा है? उन्होंने आगे लिखा, जो सरकार पावर में है उसकी शरण में सबकी दुकान सरकार चल रही है.

ट्रेनों में कम हुई कन्फर्म सीट के लिए मारामारी!

स्पेशल और नई ट्रेनें चलने से राहत

दिल्ली, एजेन्सी, 19 नवम्बर - फेस्टिवल के दौरान कन्फर्म रेल टिकट मिलना मुश्किल होता है, लेकिन रेलवे द्वारा इस बार दिवाली के दौरान स्पेशल और नई नई ट्रेनों को चलाने जैसे प्रबंध के कारण वेटिंग लिस्ट के टिकट कन्फर्म होने की दर पिछले वर्ष के मुकाबले बढ़ी. यह बात कंसलटिंग सर्विस कंपनी रेलयात्री की स्टडी में सामने आई है. ऐप के जरिए रेल संबंधी और अन्य सेवाएं उपलब्ध कराने वाली रेलयात्री डॉट इन के अध्ययन से यह भी पता चलता है कि स्लीपर क्लास में पिछले साल की तुलना में इस साल औसतन वेटिंग लिस्ट नीचे आई है.

स्टडी रिपोर्ट के अनुसार दिवाली की छुट्टियों के दौरा

तरह छत्रपति टर्मिनस से हावड़ा सुपरफाट मेल (गया के रास्ते) में टिकट पक्की होने की दर 2016 में 40.0 प्रतिशत के मुकाबले 2017 में दिवाली के दौरान 50.40 प्रतिशत हो गई.

देहरादून-हावड़ा दून एक्सप्रेस, पुणे-जम्मू तवी झेलम एक्सप्रेस समेत कई लंबी दूरी की ट्रेनों में टिकट पक्की होने की दर वर्ष 2016 में क्रमशः 38.50 फीसदी और 52.00 फीसदी थी. 2017 में यह दर क्रमशः 60.40 फीसदी और 64. 90 फीसदी हो गई. इसी

इसी प्रकार, पुणे-जम्मू-तवी झेलम एक्सप्रेस, पुणे-दानापुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस और बेंगलुरु-दानापुर संघमित्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में भी टिकट पक्की होने की स्थिति सुधरी. स्टडी के अनुसार रेलवे में टिकट निरस्त कराने की दर पिछले दो साल से 18 प्रतिशत है. इसका मतलब है कि शेष प्रतीक्षा सूची के यात्रियों को पक्की टिकट मिली. वर्ष 2015 में वेटिंग लिस्ट के टिकटों के निरस्तीकरण की दर 25.5 प्रतिशत थी जो 2016 और 2017 में 18 प्रतिशत पर बरकरार है.

रेल यात्री के सह संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी मनीष राठी ने कहा, हर साल दीवाली एवं अन्य त्योहारों के दौरान रेल टिकट की भारी मांग होती है और कई यात्री को पक्की टिकट नहीं मिल पाती.

हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि कुछ ही लोगों को अपने टिकट निरस्त करने पड़े. अध्ययन में यह भी कहा गया है स्लीपर श्रेणी में पिछले वर्ष की तुलना में इस साल औसतन वेटिंग लिस्ट नीचे आई है.

इसके अनुसार अवकाश के दौरान, कोटापटना एक्सप्रेस में स्लीपर क्लास में 2016 में औसतन प्रतीक्षा सूची 813 थी जो 2017 में घटकर 735 पर आ गई. वहीं भागलपुरमुंबई लोकमान्य तिलक सुपर फास्ट एक्सप्रेस में प्रतीक्षा सूची 2017 में घटकर 727 पर आ गई जो 2016 में 736 थी. इसी प्रकार, अहमदाबाद-हरिद्वार योग एक्सप्रेस, यंशवंतपुर-हावडा सुपरफास्ट एक्सप्रेस जैसे ट्रेनों में भी प्रतीक्षा सूची घटी है. राठी का कहना है कि इसका एक प्रमुख कारण रेलवे द्वारा दिवाली के समय 29 विशेष ट्रेनें और कुछ नई ट्रेनों को चलाना है.

भावनगर... पुरानों पर दांव

ओबीसी की बाहुल्यता, विकास और कुशासन

भावनगर, एजेन्सी, 19 नवम्बर -गांधी नगर से भावनगर की दूरी यूं तो दो सौ किलोमीटर ही है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ये दूरी इस बार भडूच के समुद्री रास्ते से होकर तय करना चाहती है, इसलिए नहीं कि भावनगर से गांधीनगर का रास्ता खराब है, क्योंकि भावनगर से रोरो फेरी (समुदी पानी का जहाज) के जरिए किया गया सफर उसे राजनैतिक फायदा दिला सकता है. भाजपा को लगता है कि क्षेत्र के लाखों लोगों की सालों पुरानी मांग को पूरा करके वह वोटों की फसल काट सकती है, लेकन कांग्रेस भाजपा के 22 साल के कुशासन को मुद्दा बना कर मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने में जुटी है. जिले में ओबीसी और पटेलों का बाहुल्य है और हार-जीत के समीकरण यहीं से तय होते हैं. भाजपा ने सात में से चार सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए.

पिछड़ा बाहुल्य सीट

जातिगत हिसाब से जिले में अन्य पिछड़ा वर्ग की बाहुल्यता है उसके बाद पटेलों के वोट हैं. अन्य में क्षत्रिय और ब्राम्हण शामिल हैं. जिले में करीब 35 फीसदी ओबीसी ओर 15 प्रतिशत पटेलों के वोट हैं. ओबीसी भाजपा का साथ देते आए हैं. पटेल इस बार क्या करेंगे ? इस पर हार-जीत का फैसला होना तय है. रिटायर्ड लोगों के शहर भावनगर में कहीं कोई पोस्टर बैनर नजर नहीं आते हैं.

सीएम की कर्मभूमि

रूपाणी के राजकोट में पटेलों की पंचायत

राजकोट, एजेन्सी, 19 नवम्बर-राजकोट का तापमान भले 32 डिग्री के आसपास हो, लेकिन राजनीतिक तापमान तेजी से जोर पकड़ रहा है. राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की राजनीतिक कर्मभूमि होने के नाते भी और पटेल राजनीति का केंद्र होने के नाते भी.

विजय रूपाणी

भाजपा की पहली सूची में रूपाणी समेत तीन प्रत्याशियों का नाम घोषित होने के साथ ही विधानसभा चुनाव के लिए हो रही जोड़तोड़ यहां चरम पर पहुंच चुकी है. सत्तारुढ़ भाजपा जहां अपनी साख को लेकर चिंतित है, कांग्रेस उसे पटकनी दांव खोज रही हैं.

कांग्रेस मानते हैं चुनाव में पार्टी को जनता का आशीर्वाद मिलेगा. भाजपाई आशावान हैं कि इस बार भी कमल ही खिलेगा. मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी राजकोट से आते हैं, लिहाजा उन्होंने अपने यहां विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी है. सालों से पानी संकट से जूझ रहे राजकोट के घर-घर नर्मदा का पानी नलों से टपकने लगा है. भाजपाइयों को जिले में कमल खिलने की उम्मीद है.

मोदी यहीं से विधानसभा पहुंचे थे

मोदी पहली बार जब गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तो वे राजकोट से ही जीत कर विधानसभा में पहुंचे थे. राजकोट जिले में कुल आठ विधानसभा सीटें हैं. जिनमें राजकोट शहर की दो और आसपास की चार सीटें भाजपा के पास है. घोराजी सीट मूलतः कांग्रेस ने ही जीती थी लेकिन 2013 के उपचुनाव में भाजपा ने कब्जा जमा लिया. जिले में पटेलों के वोट सर्वाधिक हैं.